सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 151 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 8 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

अपनी ताकत पर भरोसा करो उधार की ताकत हमेशा घातक होती है।
– नेताजी सुभाष चंद्र बोस

पहली बार 100+ रन के अंतर से... 7 | मध्य प्रदेश की राजनीति में... 3 | बीजेपी की धर्म की राजनीति... 2

अयोध्या के बाद अब मथुरा

क्या 2027 की जंग में फिर मंदिर बनेगा सबसे बड़ा चुनावी अस्त्र ?

राम मंदिर दान विवाद के बीच क्या बदलने जा रहा है यूपी का चुनावी नैरेटिव?

» चित्रगुप्त पीठाधीश्वर सच्चिदानंद महाराज की सभी साधु-संतों से अपील

» राम मंदिर दान चोरी मामले के बीच नया घटनाक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जब भी चुनाव करीब आते हैं सबसे पहले सवाल यह उठता है कि इस बार चुनाव का मुद्दा क्या होगा? बेरोजगारी, महंगाई, कानून व्यवस्था, आरक्षण, जातीय समीकरण या फिर मंदिर? पिछले कुछ दिनों से राम मंदिर ट्रस्ट और दान से जुड़े विवाद को लेकर बीजेपी सरकार विपक्ष दलों के निशाने पर हैं।

विपक्ष इस मुददे को हवा दे रहा है और सरकार अभी तक डैमेज कंट्रोल करने में बेबस दिखी इसी बीच मथुरा से हुए एक ऐलान ने देश की राजनीतिक गलियारों का तापमान अचानक बढ़ा दिया है। चित्रगुप्त पीठाधीश्वर सच्चिदानंद महाराज ने 9 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए कार सेवा का आह्वान कर दिया है। उन्होंने सिर्फ कार सेवा नहीं बल्कि 1990 के अयोध्या आंदोलन की याद दिलाते हुए देशभर के संतों और श्रद्धालुओं से जुड़ने की अपील भी की। बस यहीं से सवाल धार्मिक कम और राजनीतिक ज्यादा दिखायी देने लगता है कि क्या उत्तर प्रदेश की राजनीति में मंदिर का अध्याय एक नए संस्करण के साथ लौट रहा है? क्या अयोध्या के बाद अब मथुरा चुनावी विमर्श का नया केंद्र बन सकता है? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से प्रभावशाली रहे हैं। ऐसे में यदि श्रीकृष्ण जन्मभूमि का आंदोलन गति पकड़ता है तो इसका असर केवल अदालतों या धार्मिक संगठनों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि राजनीतिक दलों की रणनीति और चुनावी बहस पर भी पड़ सकता है। खासकर तब जब 2027 का विधानसभा चुनाव बहुत दूर नहीं है।

1990 की अयोध्या कार सेवा की तर्ज पर अब ब्रजभूमि में होगी कारसेवा

श्री कृष्ण की जन्मभूमि को मुक्त कराने के लिए कारसेवा

चित्रगुप्त पीठाधीश्वर सच्चिदानंद महाराज ने श्री कृष्ण जन्मभूमि मुद्दे को लेकर 9 अगस्त को कार सेवा का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि को मुक्त कराने के लिए होगा और इसमें देशभर के संत-महात्माओं का पूरा समर्थन है। महाराज ने स्पष्ट किया कि अदालती प्रक्रिया में बार-बार बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं जिससे भगवान को उनका स्थान नहीं मिल पा रहा है। अब इसे ज्यादा दिन तक बर्दाश्त नहीं कर सकते।

09 अगस्त की कार सेवा के ऐलान ने गर्माया सियासी पारा

दिल्ली से शुरू होगी यात्रा

9 अगस्त को प्रस्तावित कार सेवा को अयोध्या आंदोलन की तर्ज पर आयोजित किया जाएगा। दिल्ली से यात्रा शुरू होकर मथुरा पहुंचेगी और कार सेवा का रूप लेगी। महाराज ने बताया कि यह कार्यक्रम अगस्त की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर चुना गया है। पूरे भारत में सनातनी और श्री कृष्ण भक्तों से अपील की गई है कि वह बड़ी संख्या में शामिल हों। उन्होंने कहा कि ब्रज क्षेत्र में प्रतिदिन दो लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं। 9 अगस्त के कार्यक्रम को लेकर उत्साह है। महाराज ने कहा कि पूरे विश्व के सनातनी और श्री कृष्ण भक्त इस आंदोलन की चर्चा कर रहे हैं। केवल सनातनी ही नहीं अन्य धर्मों के लोग भी श्री कृष्ण के भजन गाते हैं। ऐसे में लाखों की संख्या में भक्त मथुरा पहुंचकर कार सेवा में शामिल होंगे।

महाराज का दावा लाखों भक्त तैयार

सच्चिदानंद महाराज ने अयोध्या राम मंदिर आंदोलन की याद दिलाते हुए कहा कि जिस प्रकार 1990 में अयोध्या में कार सेवा हुई और रामलला को स्थापित करने के लिए संतों-भक्तों ने प्रयास किया उसी प्रकार अब ब्रजभूमि में भी कार सेवा होगी। उन्होंने संतों से लगातार संपर्क बनाए रखने की जानकारी दी। सच्चिदानंद महाराज ने बताया कि दिल्ली में हिंदू महासभा के पदाधिकारियों के साथ बैठक हो चुकी है। हरिद्वार में खड़गपुर परिषद के प्रमुख और अन्य संतों के साथ भी बैठकें तय हैं। बागेश्वर धाम सहित विभिन्न स्थानों के संतों से समर्थन मिल रहा है। सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि सभी संत इस मुद्दे पर एकमत हैं कि अब समय आ गया है जब भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली को मूल स्वरूप में वापस लाया जाए। उन्होंने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत लड़ाई नहीं बल्कि पूरे सनातन समाज की लड़ाई है। भगवान श्री कृष्ण जहां माखन-मिश्री का भोग लगाते थे उसी पवित्र स्थल को वापस पाने के लिए लाखों भक्त तैयार हैं।

सरकार पर भरोसा

अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी विवाद पर महाराज ने सरकार पर भरोसा जताया है और एसआईटी जांच का स्वागत किया। सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सीएम होने के साथ ही साथ एक संत हैं धर्म के रक्षक हैं। उन्होंने राम मंदिर दान चोरी मामले में एसआईटी गठित की है जो पूर्ण निष्पक्षता और सख्ती से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि एसआईटी को यह भी जांचना चाहिए कि कहीं विपक्षी तत्वों ने जानबूझकर कमेटी में लोगों को प्रवेश तो नहीं कराया था। महाराज को उम्मीद है कि एसआईटी की रिपोर्ट जल्द आएगी और दोषियों को सजा मिलेगी।

बीजेपी की धर्म की राजनीति अब पैसे की राजनीति में बदली : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने बीजेपी सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा हमला बोला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा पर प्रहार जारी है। यूपी के पूर्व सीएम ने बीजेपी सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा हमला बोला, आरोप लगाया कि वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट के बावजूद सरकार ईंधन की कीमतें कम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अक्षमता महंगाई को बढ़ावा दे रही है और बीजेपी की धर्म की राजनीति अब पैसे की राजनीति में बदल गई है।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें घटने के बावजूद सरकार ईंधन की कीमतें कम करने में नाकाम रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ईंधन की कीमतें कम करने से इनकार करके लोगों के हितों के बजाय कंपनियों का पक्ष ले रही है। साथ ही, उन्होंने यह भी दावा किया कि बीजेपी की धर्म और पैसे की राजनीति अब खत्म हो गई है।

बीजेपी के भोले-भाले समर्थक निराश

उन्होंने कहा कि बीजेपी के वे भोले-भाले समर्थक, जिन्हें लगता था कि पार्टी इतनी गिरी हुई हरकतें नहीं कर सकती, उन्हें मंदिर में हुई चोरी के बाद अब यह एहसास हो गया है कि बीजेपी वालों के लिए पैसा ही उनका धर्म है। अब लोग बीजेपी और उसके साथियों के लिए अपने दरवाज़े बंद कर रहे हैं। एसपी प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि अब भाजपा सिर्फ़ पैसे की राजनीति पर ध्यान देगी क्योंकि उसकी धर्म की राजनीति खत्म हो चुकी है, और उन्होंने दावा किया कि भ्रष्टाचार और महंगाई बढ़ती रहेगी। भाजपा जिन लाखों वोटों को खो चुकी है, उनकी भरपाई वह नकद पैसे देकर वोट खरीदने की कोशिश करेगी। लेकिन धर्म के नाम पर लूटे गए पैसे को कोई हाथ नहीं लगाएगा। धर्म-विरोधी भाजपा के लिए यही सबसे बड़ी चिंता है। भारत की ईश्वर में आस्था रखने वाली जनता पाप की कमाई में हिस्सा नहीं लेगी।

भाजपा सरकार जनता के प्रति नहीं, बल्कि कंपनियों के प्रति जवाबदेह

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, जिससे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी कमी आई है और दूसरे देशों की जनता को तेल की इन कम कीमतों का फ़ायदा मिला है। लेकिन इसके उलट, भारत में भाजपा सरकार कीमतें कम नहीं कर रही है, बल्कि वह लगातार कंपनियों को फ़ायदा पहुंचा रही है। भाजपा सरकार जनता के प्रति नहीं, बल्कि कंपनियों के प्रति जवाबदेह है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि महंगाई, सत्ताधारी पार्टी और कंपनियों के बीच कथित मिलीभगत का नतीजा है।

उन्होंने दावा किया कि हमारे देश में हर चीज़ की बढ़ती कीमतों–यानी महंगाई–की वजह बीजेपी का कमीशन रैकेट है, और आम लोग तेल, ट्रांसपोर्ट, यात्रा, खाने-पीने की चीज़ों और बाकी सभी सामानों के लिए ज़्यादा कीमत चुकाकर इसकी कीमत भुगत रहे हैं। अयोध्या राम मंदिर चंदा घोटाले को लेकर बीजेपी पर कड़ा प्रहार करते हुए अखिलेश ने दावा किया कि पार्टी के भोले-भाले समर्थकों को अब यह समझ आ गया है कि भगवा खेमे का धर्म पैसा है।

महंगाई की वजह बीजेपी का कमीशन रैकेट है

वायनाड में मची तबाही में जनता सहयोग करे : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वहां भूस्खलन से आई तबाही के बाद मदद की अपील की है। कांग्रेस सांसद ने मुख्यमंत्री की निगरानी में जारी प्रयासों में जनता से सहयोग की अपील की है। केरल में अनाक्कम्पोयिल-कल्लाडी टनल रोड प्रोजेक्ट के वायनाड वाले हिस्से में हुए ज़बरदस्त भूस्खलन में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर चार हो गई।

वहीं, कई एजेंसियों की मदद से बड़े पैमाने पर बचाव अभियान जारी है ताकि उन चार लोगों का पता लगाया जा सके जो अभी भी टन भर मिट्टी और मलबे के नीचे दबे हुए हैं। दस घायल लोगों का इलाज दो अस्पतालों में चल रहा है, जबकि बचाव दल मलबे में फंसे लोगों तक पहुँचने के लिए तेज़ी से काम कर रहे हैं। इस भारी भूस्खलन में एक चर्च और पास का एक घर भी बह गया। अच्छी बात यह है कि घर पर ताला लगा था क्योंकि घर के लोग मक्का की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे, और घटना के समय चर्च के अंदर भी कोई नहीं था। प्रभावित इलाकों को जोड़ने वाला एक पुल मलबे के नीचे दब गया है, जिससे बचाव कार्यों में भारी रुकावट आ रही है। कीचड़ हटाने और बचाव दलों के लिए रास्ता बनाने का काम दो एक्सकेवेटर लगातार कर रहे हैं। कांग्रेस नेता और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि फंसे हुए लोगों को बचाने की हर संभव कोशिश की जा रही है और राज्य का प्रशासन आपस में मिलकर काम कर रहा है।

गबन की जांच को प्राथमिकता दें सरकारें : मायावती

» बसपा प्रमुख ने राममंदिर चोरी मामले में लिखा पोस्ट

» सिर्फ राजनीतिक दिखावा कर रही हैं विपक्षी पार्टियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चंदे के कथित गबन की जांच को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रबंधकों की मिलीभगत या लापरवाही के कारण गड़बड़ी हो सकती है।

एक्स पर एक पोस्ट में, मायावती ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) समेत विपक्षी दलों की आलोचना की और चेतावनी दी कि ठोस सबूत के बिना उनके दावों को सच्ची निष्ठा के बजाय राजनीतिक दिखावा माना जाएगा। उन्होंने लिखा कि यूपी में अयोध्या के श्री राम मंदिर के बाद, अब उत्तराखंड राज्य के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की चोरी और गबन का मामला भी काफी चर्चा में है। इन दोनों मशहूर धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य

प्रबंधकों की भी ठीक से जांच होनी चाहिए; वरना, भविष्य में उनकी जगह नियुक्त होने वाले दूसरे मुख्य प्रबंधक इसका गलत फायदा उठा सकते हैं। मायावती ने आगे कहा कि क्योंकि आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ियां हुई हैं, वे या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत से हुई हैं या उनकी लापरवाही के कारण। इसलिए, अब इस मामले की ठीक से जांच करना बहुत ज़रूरी है, और सरकार तथा बीजेपी को इस मामले पर खास ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्षी पार्टियां 27 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले गबन के इस मामले का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रही हैं।

बिहार में बांकीपुर में दिलचस्प होगा मुकाबला

» भाजपा ने अभिषेक कुमार को दिया टिकट

» राजद और पीके से होगा कड़ा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अभिषेक कुमार को अपना उम्मीदवार घोषित किया। उनके नाम को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने मंजूरी दे दी है। यह घोषणा राजद द्वारा इस सीट के लिए रेखा कुमारी गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित करने के एक दिन बाद की गई, जिससे इस सीट पर राजनीतिक मुकाबला और तेज़ हो गया है।

बांकीपुर उपचुनाव पूर्व बीजेपी विधायक नितिन नवीन के इस्तीफ़े के बाद ज़रूरी हो गया था, उन्होंने राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद यह सीट खाली कर दी थी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कुमार को उनके नामांकन पर बधाई दी और उनकी जीत का भरोसा जताया। बिहार के मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि बिहार विधानसभा उपचुनाव-26 के तहत बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र (182) के लिए भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा

उम्मीदवार घोषित किए जाने पर आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि आपके नेतृत्व, समर्पण और जनसेवा के संकल्प को जनता का भरपूर आशीर्वाद मिलेगा और आप विकास, सुशासन और राष्ट्रीय हित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल करेंगे। आपके सफल और विजयी चुनाव अभियान के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। बिहार विधानसभा की बांकीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद)ने सोमवार को रेखा गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित किया। इसी के साथ ही उन अटकलों पर विराम लग गया कि राजद नीत महागठबंधन इस सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर का समर्थन कर सकता है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि रेखा गुप्ता को उम्मीदवार बनाए जाने का फैसला ''पूरे महागठबंधन का निर्णय'' है। रेखा गुप्ता ने पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में भी इसी सीट से राजद के टिकट पर चुनाव लड़ा था। मंडल ने कहा कि रेखा कुमारी उर्फ रेखा गुप्ता ने नवंबर 25 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें करीब 47 हजार वोट मिले थे। अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफा देने से यह सीट रिक्त हुई है, इसलिए हमने उन्हें फिर से उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है। राजद प्रदेश अध्यक्ष के साथ में पार्टी के प्रधान राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह भी मौजूद थे।

कांग्रेस की सद्बुद्धि पदयात्रा में उमड़ी भारी भीड़

» श्रीराम जन्म भूमि मंदिर में चढ़ावे की चोरी मामले में जोरदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्म भूमि मंदिर में चढ़ावे की चोरी एवं वित्तीय अनियमितताओं के कारण करोड़ों रामभक्तों की आस्था को गहरी चोट एवं आहत हुई आस्था व इस शर्मनाक घटना को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर आज प्रदेश की सभी जिला एवं शहर इकाइयों द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों में जिला/शहर कांग्रेस कमेटियों के संयुक्त तत्वावधान में चढ़ावा चोरों से मुक्ति के लिए सद्बुद्धि पदयात्रा का आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ सीपी राय पूर्व मंत्री ने बताया कि प्रदेश भर में हुए सद्बुद्धि पदयात्रा के तहत हापुड़, राय बरेली, उन्नाव, कानपुर, हमीरपुर, प्रयागराज, बाराबंकी, वराणसी, अयोध्या, लखनऊ सहित प्रदेश भर मे सद्बुद्धि पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा के माध्यम से कांग्रेस जनों ने आस्था से जुड़ी इस सम्पूर्ण घटना की माननीय उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से निष्पक्ष जॉच करायी जाने, ट्रस्ट को तत्काल भंग किये जाने, चारों पीठों के परमपूज्य शंकराचार्यों एवं श्रीराम मंदिर के सम्मानित महंतों को इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने की माँग की गयी! लखनऊ मे बेगम हज़रत महल पार्क मकबरा रोड से हनुमान सेतु मन्दिर तक पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा मे जिला अध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू, शहर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी एवं डॉ0 शहज़ाद आलम, पूर्व एम एल सी दीपक सिंह, पूर्व विधायक इन्दल रावत, शिव पांडेय सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस जन शामिल रहे।

मध्य प्रदेश की राजनीति में हलचल बढ़ी दतिया विस उवपचुनाव पर नजर दौड़ी

भाजपा व कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर

- 30 जुलाई को मतदान हो और 3 अगस्त को नतीजे आएंगे
- नतीजे भविष्य की राजनीति करेंगे तय
- दिग्विजय की यात्रा व मोहन यादव की जमीन खरीद बीजेपी को करेंगे परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र की राजनीति में इस वक्त हलचल बढ़ी हुई जहां सीएम मोहन यादव के परिजनों द्वारा जमीन खरीदने के मामले में कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने हल्ला बोल रखा वहीं दतिया विधानसभा उपचुनाव का बिगुल बजते ही प्रदेश की सियासत गरमा गई है। भाजपा के लिए खोया गढ़ वापस पाने और कांग्रेस के लिए अपनी जीत बचाए रखने की चुनौती के बीच इस बार ओबीसी वोटर चुनाव के सबसे बड़े निर्णायक माने जा रहे हैं।

उधर राममंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह यात्रा की घोषणा करके भाजपा की पेशानी पर बल ला दिया है। जानकारों का कहना है कि आने वाले किसी भी चुनाव पर इसका असर पड़ेगा। दतिया विधानसभा उपचुनाव मध्य प्रदेश की सबसे चर्चित राजनीतिक लड़ाइयों में शामिल हो चुका है। चुनााव आयोग के तारीखों के एलान के साथ ही सियासी गर्मी बढ़ गई है। यहां पर 30 जुलाई को मतदान हो और 3 अगस्त को नतीजे आएंगे। दतिया उपचुनाव भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न है। भाजपा इस सीट पर दोबारा कब्जा कर अपना खोया गढ़ वापस पाना चाहती है, जबकि कांग्रेस के सामने 2023 की जीत को बरकरार रखने की चुनौती है।

पिछले पांच चुनावों का ट्रेंड

दतिया में पिछले दो दशकों से भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिलता रहा है। अधिकांश चुनावों में जीत का अंतर भी बहुत बड़ा नहीं रहा, जिससे हर चुनाव में स्थानीय समीकरण निर्णायक बने। 23 में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने भाजपा के कद्दावर और पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को 7,742 वोटों से हराया। 18, 13 और 2008 में डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने लगातार जीत दर्ज की। इससे पहले 2003 में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने जीत दर्ज की थी। 2023 का परिणाम इस बात का संकेत था कि कांग्रेस ने भाजपा के मजबूत गढ़ में प्रभावी सेंध लगाई, जबकि 18 में मुकाबला बेहद कांटे का रहा था।

2023 में हारे थे नरोत्तम मिश्रा?

राजनीतिक जानकारों के अनुसार नरोत्तम मिश्रा की हार के पीछे कई कारण रहे। लगातार तीन बार विधायक रहने के कारण स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी माहौल, कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र भारती की क्षेत्र में सक्रियता, अनुसूचित जाति और कुछ ओबीसी वर्गों का कांग्रेस की ओर झुकाव तथा स्थानीय

मुद्दों का प्रभाव प्रमुख वजहें मानी जाती हैं। इसके अलावा संगठन के भीतर असंतोष और बूथ स्तर पर अपेक्षित सक्रियता नहीं होने की चर्चा भी चुनाव के दौरान होती रही।

15 चुनाव में 9 बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की

वर्ष 1957 से अब तक हुए 15 विधानसभा चुनावों में इस सीट पर कांग्रेस ने सबसे ज्यादा सफलता हासिल की है। दतिया की जनता ने 9 बार कांग्रेस के प्रत्याशी को विधानसभा भेजा है। वहीं जनता पार्टी एक बार, भाजपा को चार बार और समाजवादी पार्टी को एक बार जीत मिली है। इस बार होने वाले उपचुनाव में भी मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा का मजबूत राजनीतिक गढ़ है दतिया

दतिया लंबे समय तक भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा का मजबूत राजनीतिक गढ़ माना जाता रहा। उन्होंने 2008, 2013 और 2018 में लगातार जीत दर्ज की, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने उन्हें 7,742 वोटों से हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर कर दिया। बाद में एक पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषसिद्धि के चलते राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त हो गई, जिसके बाद यह सीट रिक्त हुई और अब यहां उपचुनाव हो रहे हैं।

सीट पर करीब 35 से 40 प्रतिशत मतदाता अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं

दतिया विधानसभा का चुनावी गणित जातीय समीकरणों पर निर्भर माना जाता है। जानकारी के अनुसार सीट पर करीब 35 से 40 प्रतिशत मतदाता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं, जिससे यह वर्ग सबसे प्रभावशाली माना जाता है। अनुसूचित जाति के मतदाता करीब 25 प्रतिशत हैं, जिनमें जाटव समाज की निर्णायक भूमिका रहती है। सामान्य वर्ग के मतदाता लगभग 15 से 20 प्रतिशत, जबकि मुस्लिम मतदाता 4 से 5 प्रतिशत के आसपास माने जाते हैं। जानकारों का मानना है कि सामान्य वर्ग का झुकाव परंपरागत रूप से भाजपा की ओर रहा है, जबकि अनुसूचित जाति के मतदाताओं में कांग्रेस की पकड़ अपेक्षाकृत मजबूत मानी जाती है। दूसरी ओर, ओबीसी वोट किसी एक दल के साथ स्थायी रूप से नहीं जुड़ते और यही वर्ग चुनाव का सबसे बड़ा किंगमेकर साबित हो सकता है।

राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म होने से खाली हुई सीट

दतिया सीट कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त होने के बाद खाली हुई थी। वर्ष 23 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को हराया था। राजेंद्र भारती की सदस्यता एक पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषसिद्धि के बाद समाप्त हुई। यह मामला वर्ष 1998 का है। आरोप था कि उनकी मां के नाम से संचालित संस्था की बैंक एफडी को नियमों के विपरीत बढ़ाकर उससे राशि निकाली गई। अदालत ने इसे बैंक धोखाधड़ी का मामला मानते हुए सजा सुनाई। हालांकि, बचाव पक्ष का कहना है कि मामला बेहद पुराना है और इसके पीछे राजनीतिक कारण भी हैं। इस मामले में उनकी याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

ग्वालियर-चंबल अंचल को विकास में आगे ले जाने को ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कसी कमर

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में शिवपुरी जिले में डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा स्थापित किए जा रहे दक्षिण एशिया के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े मिसाइल एवं एडवांस्ड डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम का शिलान्यास किया। लगभग 2,500 करोड़ के निवेश से विकसित होने वाली यह परियोजना भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ-साथ ग्वालियर-चंबल अंचल को देश के अग्रणी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करेगी। सिंधिया ने इसे राष्ट्रनिर्माण, राष्ट्रसेवा और राष्ट्रसुरक्षा के इतिहास में एक नया अध्याय और नया सवेरा बताया। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समय आ चुका है। आज भारत रक्षा क्षेत्र

में आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक गति से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है और यह परियोजना उसी दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि शिवपुरी के कोलारस क्षेत्र में स्थापित होने वाला यह डिफेंस कॉम्प्लेक्स कोटा कॉरिडोर एवं बॉम्बे-ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट स्थित होने के कारण देशभर के सैन्य प्रतिष्ठानों तक रक्षा उपकरणों की तेज और प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में आधुनिक मिसाइल प्रणालियों, प्रिसिजन-गाइडेड म्यूनिशन तथा अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों का निर्माण किया जाएगा। इससे भारत की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता और निर्यात संभावनाओं को नई मजबूती मिलेगी तथा 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बल मिलेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

वन महोत्सव केवल एक इवेंट बनकर न रह जाएं

अगर भारत के भविष्य को बचाना है तो आंकड़ों के लिए नहीं हकीकत में वनों को लगाया जाए ताकि प्राकृतिक संतुलन बना रहे। अर्थात वन महोत्सव केवल एक इवेंट बनकर न रह जाए। वैसे भी देश में वनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है।

पिछले महीने पर्यावरण दिवस मनाया गया और अब इस महीने मतलब जुलाई में भारत में चूकि मानसून शुरू हो जाता है तो राज्यों में वन महोत्सव मनाया जाता है। ये पूरे पखवाड़े चलता है। पूरे प्रचार प्रसार किए जाते हैं। रिकॉर्ड तोड़ने की बाते होती है। पर जब आंकड़े आते है तो पर्यावरण को लाभ मिलते दिखाई नहीं देता, शहरों में प्रदूषण घटने की जगह बढ़ा होता है। लाखों पौधों को रोपने की बाते जो की जाती है उसमें से कई तो सूख जाते हैं कई जानवरों द्वारा चर लिए जाते हैं। अगर भारत के भविष्य को बचाना है तो आंकड़ों के लिए नहीं हकीकत में वनों को लगाया जाए ताकि प्राकृतिक संतुलन बना रहे। अर्थात वन महोत्सव केवल एक इवेंट बनकर न रह जाए। वैसे भी देश में वनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अवैध कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसंरचनात्मक विकास की भेंट चढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में पड़ सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण बढ़कर 8,27,357 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ उसके बाद आते हैं। वहीं वन घनत्व के अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आधार पर विश्व में नौवां स्थान तथा वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। हरित आवरण में हुई वृद्धि का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक सघन वनों के बजाय खुले वनों तथा व्यावसायिक वृक्षारोपण के कारण हुआ है। प्राकृतिक वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते बल्कि हजारों वनस्पतियों, जीव-जंतुओं, सूक्ष्मजीवों और जल स्रोतों का जटिल पारिस्थितिकी तंत्र होते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आखिर कब भरेंगे जानलेवा अंधकूप

विवेक शर्मा

अम्बाला में खुले बोरवेल में गिरने वाले मासूम की मौत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि देश में हादसों से सबक लेने की संस्कृति अब भी विकसित नहीं हो सकी है। यह केवल एक बच्चे की मौत नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, कमजोर निगरानी और सामाजिक उदासीनता का दुखद परिणाम है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह ऐसी त्रासदी थी, जिसे समय रहते रोका जा सकता था। यदि नियमों का ईमानदारी से पालन होता और अनुपयोगी बोरवेल समय रहते सुरक्षित ढंग से बंद कर दिए जाते, तो शायद एक और परिवार को यह असहनीय पीड़ा न झेलनी पड़ती। दुर्भाग्य यह है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। वर्ष 2006 में हरियाणा के कुरुक्षेत्र में प्रिंस के बोरवेल में गिरने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उस समय उम्मीद जगी थी कि अब खुले बोरवेल अतीत की बात बन जाएंगे। लेकिन उसके बाद हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और अन्य राज्यों से ऐसी घटनाएं लगातार सामने आती रहीं।

हर बार वही दृश्य दोहराया जाता है। एनडीआरएफ, सेना और स्थानीय प्रशासन युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाते हैं। आधुनिक तकनीक और भारी संसाधन लगाए जाते हैं। पूरा देश प्रार्थना करता है और मीडिया लगातार घटनाक्रम पर नजर रखता है। फिर कुछ दिनों तक चर्चा होती है और मामला धीरे-धीरे सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। दुर्भाग्य से अगला हादसा होने तक व्यवस्था भी उसी विस्मृति का हिस्सा बनी रहती है। हादसों को भूल जाने की यही प्रवृत्ति इस समस्या को और गंभीर बनाती जा रही है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस समस्या के समाधान के लिए कानूनों और दिशा-निर्देशों का अभाव नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय वर्षों पहले स्पष्ट निर्देश दे चुका है कि नया बोरवेल खोदने से पहले स्थानीय प्रशासन को सूचना देना अनिवार्य होगा। बोरवेल के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा और अनुपयोगी बोरवेल को मिट्टी, रेत तथा कंकड़ से पूरी तरह भरकर स्थायी रूप से बंद किया जाएगा।

मजबूत लोहे का ढक्कन लगाना भी आवश्यक है। राज्यों ने भी समय-समय पर अपने स्तर पर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके बावजूद इनका पालन प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा। ग्राम

पंचायतों, स्थानीय निकायों और जिला प्रशासन की निगरानी अक्सर कागजों तक सीमित रह जाती है। कार्रवाई तब होती है, जब कोई मासूम गड्ढे में गिर चुका होता है। यदि नियमित सर्वेक्षण, प्रभावी निगरानी और समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तो ऐसे अधिकांश हादसों को पहले ही रोका जा सकता है। इस समस्या का एक कारण लगातार गिरता भूजल स्तर भी है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में किसान अधिक गहरे बोरवेल खोदने को विवश हैं। लेकिन जब कोई बोरवेल अनुपयोगी हो जाता है, तब उसे वैज्ञानिक तरीके से बंद करने के बजाय कई बार खुला छोड़ दिया जाता है। कुछ पैसे और थोड़ी मेहनत बचाने की यह लापरवाही किसी परिवार के लिए आजीवन दुख का कारण बन सकती है। भूमि मालिकों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने खेत या परिसर में मौजूद प्रत्येक अनुपयोगी बोरवेल को पूरी तरह सुरक्षित ढंग से बंद करें। यह केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व भी है। वास्तव में सिर्फ प्रशासन को दोष देकर समस्या का समाधान नहीं होगा। समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। यदि किसी गांव, खेत या खाली जमीन पर खुला बोरवेल दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन को देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होना चाहिए। ग्राम पंचायतों को समय-समय पर ऐसे बोरवेल का सर्वेक्षण कराना चाहिए। स्कूलों और पंचायत स्तर पर जनजागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए, ताकि लोग संभावित खतरे को गंभीरता से लें। दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने से कहीं अधिक जरूरी दुर्घटना से पहले सावधानी बरतना है। अब समय केवल संवेदना, मुआवजे और औपचारिक बैठकों तक सीमित रहने का नहीं है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें जवाबदेही स्पष्ट हो और नियमों की अनदेखी पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जहां भी असुरक्षित और खुला बोरवेल मिले, वहां जिम्मेदार व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि संबंधित अधिकारियों की लापरवाही सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी विभागीय और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। जवाबदेही तय किए बिना नियम केवल कागजों तक सीमित रहेंगे और हर नया हादसा हमारी प्रशासनिक विफलता का प्रमाण बनता रहेगा। अम्बाला के मासूम की मौत पूरे देश के लिए गंभीर चेतावनी है। यह केवल शोक मनाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था को बदलने का समय है।

पारिवारिक त्याग की अनदेखी कर आजादी की चाह

क्षमा शर्मा

फरीदाबाद में राहुल नाम के लड़के ने आत्महत्या कर ली। इससे पहले उसने वीडियो बनाया और कहा कि वह घर के सारे काम करता है, व्यापार भी करता है, फिर भी उसकी पत्नी उसे मारती-पीटती है। दूसरा किस्सा पुणे के केतन का है, कहा गया कि उसकी मंगेतर सिया ने अपने मित्र चेतन की मदद से उसे लोहागढ़ पहाड़ी से धक्का दे दिया। सिया इस रिश्ते से खुश नहीं थी क्योंकि केतन के सिर पर बाल नहीं थे और वह हकलाता भी था। इन दोनों मामलों में युवाओं ने जान गंवाई। इनके घर वालों, परिजनों पर क्या गुजरी, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। मगर अफसोस की बात ये है कि इन दोनों की मृत्यु को स्त्री अधिकारों के नाम पर सेलिब्रेट किया गया। कहा गया कि अब तक स्त्रियां सहती रही हैं, मगर अब वे बदला ले रही हैं। मुस्कान सोनी नाम की दांतों की डॉक्टर ने तो बाकायदा केतन की मौत का मजाक उड़ाया कि उसके साथ तो ऐसा होना ही था और हा-हा-हा करते वीडियो पोस्ट किया।

हालांकि बाद में इस डॉक्टर ने माफी भी मांगी। जब हम अधिकारों की बात करते हैं, तो उनका अर्थ हमारे दैनंदिन जीवन की सुविधाओं से जुड़ा होता है। छोटे, बड़े की भावना को खत्म करने की बात होती है। लेकिन मृत्यु पर हंसना, मीम्स बनाना, कहना कि वक्त आ गया है कि अब स्त्रियों को अपने प्रति किए गए हर अपराध का बदला लेना चाहिए, कितना दुखद है। अंग्रेजी की एक बड़ी लेखिका और एक बड़े लेखक ने तो यह तक कहा कि सिया ने केतन को मारा, इसके लिए सिर्फ वह ही नहीं, बल्कि हमारे परिवारों का ढांचा जिम्मेदार है। जहां लड़कियों को कुछ करने की आजादी नहीं। वे न अपनी मर्जी से शादी कर सकती हैं, न देर रात लौट सकती हैं, न शराब पी सकती हैं। ऐसा कहने वाले वे लोग हैं, जो बहुत अच्छी आर्थिक स्थिति वाले हैं। जिनके इर्द-गिर्द सेवकों और सिक्योरिटी गार्ड्स की पूरी फौज है, लेकिन ज्ञान वे उन आम लड़कियों को दे रहे हैं, जो अमूमन अपराध की जद में होती हैं। 'अपनी सुरक्षा अपने हाथ' वाली कहावत इन पर चरितार्थ होती है। फिर देर रात तक पार्टी करना या शराब पीना आम लड़कियों का जीवन नहीं है। और क्या स्त्रियों के लिए शराब पीना इतनी अच्छी बात है। फिर ऐसा क्यों है कि अक्सर महिलाएं अपने घर के आसपास शराब के ठेके खुलने का विरोध करती हैं। शराबबंदी की मांग करती हैं क्योंकि शराब के कारण ही उनके पति तरह-तरह की हिंसा करते हैं।

यदि वे पैसे भी कमाएं, तो उनके पैसे शराब पीने के लिए छीन लिए जाते हैं। उन्हें घर से बाहर निकाल दिया जाता है। गांधी जी जिन्होंने कहा था कि शराब आत्मा का नाश करती है, उनकी इस शिक्षा को भी लोग भूल गए हैं। डाक्टरों की सलाह भी याद नहीं रखते, जो कहते हैं कि शराब पीने से शरीर के तमाम अंगों पर प्रभाव पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य भी खराब होता है। यदि इन लोगों की मानें तो देश में चलने वाले जितने नशा मुक्ति केंद्र हैं, उन्हें बंद कर देना चाहिए।

लेकिन 'माई लाइफ और माई च्वाइस' का विचार एलीट स्त्री-पुरुषों के मन में इतना बसा हुआ है कि वे अपनी शर्तों को दूसरों पर लाद रहे हैं और इन्हें ही दूसरों की च्वाइस बता रहे हैं। वे सिया का बचाव करते हुए उसके घर वालों और हर एक के घर वालों को दोष दे रहे हैं।अपने यहां माता-पिता बच्चों को हमेशा बच्चा मानते हुए, उनकी सुरक्षा की चिंता करते हैं। उनकी पढ़ाई-लिखाई का खर्चा उठाते हैं। पढ़ने के लिए विदेश भेजते है। करोड़ों रुपये का लोन लेते हैं, उसे खुद चुकाते हैं। बच्चों के लिए घर बनाते हैं। यानि कि अपनी उम्र और सारे संसाधन वे बच्चों के लिए लगा देते हैं, जिससे उनका जीवन आसान हो सके। माता-पिता के सारे संसाधन चाहिए, लेकिन जीवन अपनी शर्तों पर जीना है। कौन रोकता है, लेकिन फिर संसाधन भी खुद जुटाइए। माता-पिता की जमीन-जायदाद में भी हिस्सा मत मांगिए। बीमारी-हारी में भी अपनी मदद खुद कीजिए। ड्रीम वैडिंग करना हो, तो खुद पैसे जुटाइए। उनके सम्पर्कों का भी लाभ मत उठाइए। अधिकार बिना कर्तव्यों के नहीं मिलते। सिर्फ कर्तव्य ही नहीं, अधिकारों की कीमत भी चुकानी पड़ती है। लेकिन आजादी के नाम पर कीमत कोई चुकाना नहीं चाहता। हां मन की बात न हो, तो हत्या की जा सकती है। अतिवादी लोग इसे जायज ठहराने के लिए झंडा बुलंद कर सकते हैं। विदेश में लोन लेकर पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता इस कर्ज को नहीं चुकाते।

विदेशों में कई ऐसे आदमियों से मिली, जिनकी उम्र पचास के पार है, लेकिन अभी तक वे अपनी पढ़ाई के लिए उठाए गए कर्ज को चुका रहे हैं। भारत में तो माता-पिता की हालत ये है कि ताउम्र खटते भी हैं और पिटते भी हैं। बातें बनाते रहिए कि बुजुर्गों के लिए क्या-क्या होना चाहिए। विमर्शों की नकारात्मकता कितनी है कि जहां मौत का भी जश्न मनाया जाए। जाति, धर्म, लिंग देखकर शोक और खुशी प्रकट की जाए, इससे यही पता चलता है कि हमारा वैचारिक आधार कितना पोला है, जहां हम किसी मरने वाले की जाति या जेंडर देख रहे हैं। उसके राजनीतिक विचारों के आधार पर उसकी मौत की खुशी या दु:ख मना रहे हैं। इसका पहली बार अहसास पत्रकार रोहित सरदाना की मौत पर हुआ। जब एक मशहूर इनफ्लुएंसर ने कहा कि यह अकेला क्यों मर गया, इसके बीवी -बच्चे क्यों नहीं मर गए। यह एक तरह से वही हिटलरी विचार है, जिसकी आलोचना करते-करते ऐसे लोग दुबले हुए जाते हैं। यदि बच्चों को अपनी पसंद से विवाह करने दिया जाए तो भी उनका जीवन सुचारु रूप से चलेगा, इसकी क्या गारंटी है।

ब्लड शुगर नियंत्रित रखे

डायबिटीज के मरीजों के लिए नारियल की मलाई बहुत फायदेमंद होती है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है। वहीं, इसमें फाइबर मौजूद होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसे खाने से ब्लड शुगर स्पाइक को रोकने में मदद मिलती है और इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है। डायबिटीज रोगी डॉक्टर से सलाह लेकर नारियल की मलाई का सेवन कर सकते हैं।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो आपको डाइट में नारियल की मलाई को शामिल करना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है। इसे खाने से भूख जल्दी नहीं लगती है और वजन घटाने में मदद मिलती है। साथ ही, इसमें मीडियम चेन ट्रिग्लिसेरिडिस नामक हेल्दी फैट पाया जाता है, जो शरीर के अतिरिक्त वजन को कम करने में मदद करता है।

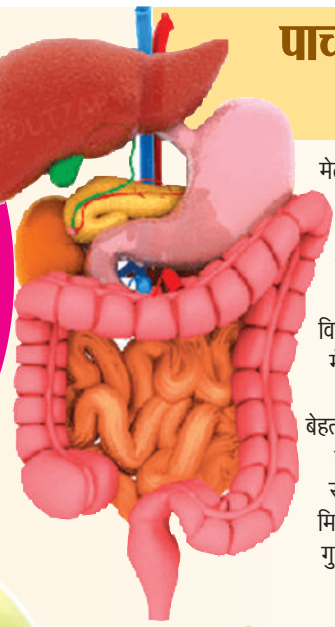

पाचन के लिए लाभकारी

मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन कम करना हो या कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करना, नारियल आपके लिए बहुत अच्छा और हेल्दी विकल्प है। नारियल की मलाई में फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाई जाती है, जो पाचन को बेहतर करता है। इसके सेवन से कब्ज दूर करने और पेट की सूजन को कम करने में मदद मिलती है। यह आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाता है।

हड्डियों को करे मजबूत

नारियल की मलाई में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन-ई और हेल्दी फैट्स भी होते हैं, जो त्वचा को नमी प्रदान कर झुर्रियों को कम करते हैं। साथ ही यह बालों को मजबूत और घना बनाने में भी मदद करता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाकर ऑस्टियोपोरोसिस से बचाते हैं। इसलिए इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें और इसका उठाएं। हालांकि जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें इसका सेवन कम करना चाहिए।

गर्मी में नारियल पानी पीने से दूर होगा डिहाइड्रेशन

देश के कई राज्यों में मौसम तेजी से बदलने लगा है। बढ़ते तापमान के साथ गर्मियों की भी शुरुआत हो गई है। गर्मियां आते ही सभी लोगों के लिए हाइड्रेशन पर ध्यान देना बहुत जरूरी हो जाता है। जब बात शरीर को हाइड्रेट करने की हो तो नारियल पानी सभी का सबसे पसंदीदा पेय रहता है। नारियल पानी न सिर्फ शरीर में पानी की कमी को दूर करता है साथ ही इससे सेहत को और भी कई प्रकार के लाभ होते हैं। इसके अलावा शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देना हो या गर्मियों से बचाना, इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करना हो या फिर हार्ट को हेल्दी रखना नारियल पानी पीना इन सभी में आपके लिए बहुत लाभकारी माना जाता रहा है। नारियल पानी का सेवन दिल को स्वस्थ बनाए रखने में भी बहुत फायदेमंद हो सकता है।

नारियल की मलाई

अध्ययनों से पता चलता है कि नारियल की मलाई में लॉरिक एसिड होता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके दिल को सेहतमंद रखता है। नारियल पानी के साथ-साथ आपको नारियल की मलाई का भी सेवन जरूर करना चाहिए। नारियल की मलाई न केवल स्वाद में बढ़िया होती है, बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होती है। इसमें हेल्दी फैट, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा भी पाई जाती है। इसमें नीयम-चैन ट्राइग्लिसराइड्स पाया जाता है, जो शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देता है। पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने की वजह से नारियल की मलाई इम्यूनिटी मजबूत करने में काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है।

हंसना मना है

पति- सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी, पत्नी- मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

पप्पू- क्या तुमको पता है कि मंदिर में पुरुष ही पुजारी क्यों होते है, चप्पू- नहीं यार तुम ही बता दे, गप्पू- ताकि, लोग सिर्फ भगवान पर ध्यान दे सकें।

गप्पू टीचर से- लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते है? गप्पू- सर चोर होते है! टीचर - वो कैसे? गप्पू- क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

हसबैंड- डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से- तुमने कैसे जाना? हसबैंड- तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

हसबैंड- आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी- हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

टीचर- Date और तारीख में क्या अंतर है? सारी Class चुप, गप्पू- सर, Date में Girlfriend के साथ जाते है और तारीख में वकील के साथ, टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए?

कहानी | एक घमंडी हाथी और चींटी

एक बार की बात है। किसी जंगल में एक हाथी रहता था। उसे अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा। फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड़ में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया। पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया और वो पूरी भीग गई। यह देखकर चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक दिन चींटी को मौका मिल ही गया कि वो हाथी को सबक सिखा सके। हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड़ में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा। चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड़ से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

7 अंतर खोजें

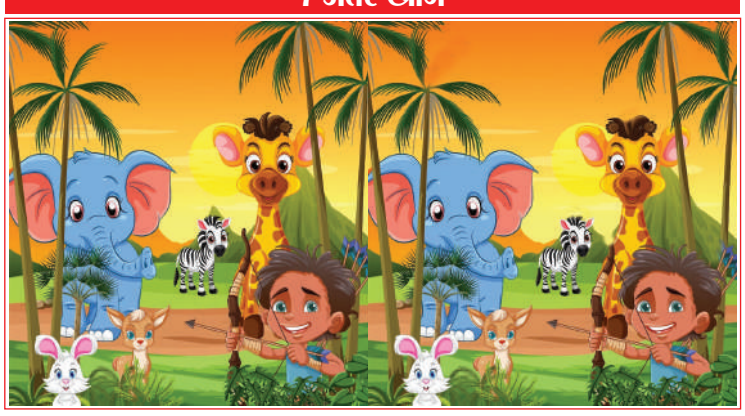

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सुख के साधन जुटेंगे। कानूनी बाधा दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कुसंगति से बचें। परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है।

वृषभ शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। विवाद न करें। उतावली में कोई काम न करें। व्यापार अच्छा चलेगा।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक करेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे।

कर्क शत्रु सक्रिय रहेंगे। घर-बाहर तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे। भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें।

सिंह यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी सफल रहेंगे। धनार्जन होगा। पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें। आत्मविश्वास बना रहेगा।

कन्या दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। भागदौड़ रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है।

तुला प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। प्रसन्नता बढ़ेगी। कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी।

वृश्चिक लेन-देन में सावधानी रखें। मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी।

धनु कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे।

मकर कोई मुसीबत आ सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। फालतू खर्च होगा। जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी।

कुम्भ बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। धनार्जन होगा। घर की चिंता रहेगी। विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे। मित्रों से मदद मिलेगी।

मीन शत्रु परास्त होंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है।

एल्फा पर हुई नोटों की बारिश

बॉलीवुड फिल्म एल्फा का नाम इस वक्त चर्चा में बना हुआ है। ओपनिंग वीकेंड में बंपर कमाई करने के बाद अब एल्फा वीक डेज में आ गई है, जो उसको मंडे टेस्ट से गुजरना पड़ा है। अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर इस स्पाई थ्रिलर ने अपनी शानदार कहानी से हर किसी का दिल जीत लिया है, जो इसके धुआंधार कलेक्शन की वजह बन रहा है। रिलीज के चौथे दिन भी एल्फा ने दुनियाभर में मोटी कमाई का कमाल करके दिखाया है, जिसकी वजह से इस मूवी का नाम सुर्खियां बटोर रहा है। आइए जानते हैं कि सोमवार को ग्लोबली एल्फा ने कितने करोड़ का बिजनेस किया है।

अक्सर देखा जाता है कि ओपनिंग वीकेंड बीतने के बाद वर्किंग डेज में फिल्मों की कमाई में गिरावट दर्ज की

जाती है। लेकिन अगर कोई मूवी पहले तीन दिन में धांसू बिजनेस करती है तो वह नॉन हॉलिडे में भी अपनी छाप छोड़ती है। एल्फा के मामले में फिलहाल ऐसा फिफ्टी-फिफ्टी होता हुआ नजर आया है। रविवार के बंपर कलेक्शन के बाद मंडे को एल्फा की ग्लोबली कमाई में बेशक थोड़ी कटौती हुई है, लेकिन आंकड़े इतने खराब नहीं है, जिसकी आलोचना की जाए।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार एल्फा ने रिलीज के चौथे दिन वर्ल्डवाइड करीब 10 करोड़ की कमाई की है, जो वर्किंग डेज के आधार पर एक अच्छा आंकड़ा माना जा रहा है। इसके साथ ही अब एल्फा का ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 70 करोड़ के करीब पहुंच गया है।

इसके अलावा नजर डाली जाए एल्फा के ओवसरीज कलेक्शन की तरफ तो वह भी 22 करोड़ से ज्यादा का हो गया है। इस हिसाब से कुल मिलाकर कहा जाए तो इंटरनेशनल मार्केट में एल्फा ने अपनी बंपर कमाई की छाप छोड़ी है और हर किसी का ध्यान खींचा है। फिल्म एल्फा में आलिया भट्ट, शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल जैसे कलाकारों ने अहम भूमिकाओं का अदा किया। खासतौर पर मूवी का सेंटर प्वाइंट आलिया और शरवरी की जोड़ी रही है, जिन्होंने दमदार एक्शन सीक्वेंस और कमाल की एक्टिंग से हर किसी का दिल जीत लिया है।

नागार्जुन और तब्बू करीब 28 साल बाद एक साथ फिर बड़े पर्दे पर करेंगे वापसी

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें तब्बू का नाम जरूर शामिल होता है। 90 के दशक से लेकर अब तक सिनेमा में अपनी धाक जमाने वालीं तब्बू की अगली फिल्म को लेकर इस वक्त एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि करीब 28 साल के लंबे इंतजार के बाद वह साउथ सिनेमा के एक दिग्गज अभिनेता संग बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। आइए जानते हैं कि वह कौन सा एक्टर और फिल्म है।

तेलुगु अभिनेता नागार्जुन और अभिनेत्री तब्बू करीब 28 साल बाद एक साथ फिर बड़े पर्दे पर आने को तैयार हैं। हालांकि, इस बार दोनों साथ नहीं बल्कि आमने-सामने नजर आएंगे। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्टों के अनुसार, नागार्जुन की 100वीं फिल्म में तब्बू अहम भूमिका में होंगी।

इस फिल्म को फिलहाल किंग 100 नाम दिया गया है। फिल्म में तब्बू नायिका नहीं, बल्कि खलनायिका की भूमिका में होंगी। यानी फिल्म में उनका नागार्जुन से आमना-सामना होगा। हाल ही में दोनों फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल भी पूरा कर लिया है। बता दें कि नागार्जुन और तब्बू ने साल 1996 में पहली बार तेलुगु फिल्म निन्ने पेल्लादाता में काम किया था।

उसके बाद साल 1998 और 1999 में दोनों क्रमशः आविदा मा अविदे तथा सिसिंद्री फिल्मों में साथ काम किया। अब 28 साल बाद दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। तब्बू के लिए स्याह पात्र निभाना कोई नया नहीं है, इससे पहले वह अंधाधुन और फितूर फिल्मों में भी ऐसी भूमिकाएं निभा चुकी हैं। इस खबर के सामने आने के बाद तब्बू के फैंस की एक्साइटमेंट हाई हो गई है और वह इस मूवी के बारे में जानने के लिए क्रेजी हो रही हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने पांच साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिये थे : कृति सेनन

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था। ह्यूमंस ऑफ बॉम्बे के पॉडकास्ट में कृति सेनन कहती हैं, 'मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे मिमी फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।' फिल्म 'मिमि' साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बायोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है। कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

वो भूतिया शहर, जहां पहाड़ों के बीच फंसे हैं 500 घरों के खंडहर, पत्थरों से आती है चीखने की आवाज

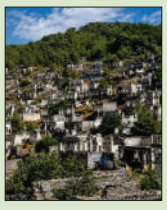

अंकारा. दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए नहीं, बल्कि अपने भीतर दफन खौफनाक और दर्दनाक इतिहास के लिए जानी जाती हैं। ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला जगह तुर्किये के दक्षिण-पश्चिम में स्थित फेथिये शहर से महज 8 किलोमीटर दूर स्थित है। खंडहर बन चुके करीब पांच सौ मकानों का यह इलाका कभी 'लीविसी' नाम के एक समृद्ध और खुशहाल समुदाय का था, जहां मुख्य रूप से ग्रीक ऑर्थोडॉक्स ईसाई रहा करते थे। आज इस जगह को 'कायाकोय' यानी पत्थरों के गांव के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि इस शहर का निर्माण 18वीं शताब्दी में प्राचीन शहर लेबेसुस के खंडहरों पर किया गया था, जहां कभी समुद्री डाकुओं के खौफ से भागकर आए लोगों ने शरण ली थी। बाद में आए भूकंप और भीषण आग ने जब मुख्य शहर फेथिये को तबाह कर दिया, तो बड़ी संख्या में लोग लीविसी आकर बस गए और इसकी आबादी देखते ही देखते 20 हजार तक पहुंच गई। प्रथम विश्व युद्ध से पहले तक तुर्किये के पूरे पश्चिमी हिस्से में ग्रीक मूल के लोग शांति और भाईचारे के साथ रह रहे थे। लेकिन जैसे ही विश्व युद्ध की शुरुआत हुई, इन मासूम लोगों की किस्मत रातों-रात बदल गई और वे ऑटोमन साम्राज्य के रहमों-करम पर दुश्मन की जमीन पर फंस गए। तुर्कों द्वारा चलाए गए जातीय सफाए अभियान में लाखों ग्रीक लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। जान बचाने के लिए कुछ लोग ग्रीस भाग गए, जबकि बाकी बचे लोगों को जबरन देश से बाहर निकाल दिया गया। लीविसी के लोगों को भी बंदूकों की नोंक पर उनके ही घरों से खदेड़ दिया गया और 220 किलोमीटर दूर एक अनजान लोकेशन पर पैदल मार्च करने के लिए मजबूर किया गया। इस खौफनाक 'डेथ मार्च' के दौरान भूख, प्यास और भयंकर थकावट के कारण रास्ते में ही हजारों लोगों ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। इसके बाद से कुछ लोग इसे भूतिया शहर मानने लगे और पत्थरों से चीख की आवाज दावा करने लगे। प्रथम विश्व युद्ध में जब तुर्किये की हार हुई और ऑटोमन साम्राज्य पूरी तरह बिखर गया, तब ग्रीक सेना ने तुर्किये पर आक्रमण कर दिया। इसके दोनों देशों के बीच जंग छिड़ गया, जिसे 'ग्रीक-तुर्की युद्ध' के नाम से जाना जाता है। तीन साल तक चले इस विनाशकारी युद्ध के दौरान दोनों ही पक्षों द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ अमानवीय और जघन्य अपराधों को अंजाम दिया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर कत्लेआम, बलात्कार और शहरों को आग के हवाले करना शामिल था।

अजब-गजब | यहां घर की छत पर रहते हैं लोग

दुनिया का वो गांव, जहां नहीं है एक भी सड़क

दुनिया में कई अनोखे गांव हैं, लेकिन ईरान का मसुलेह गांव शायद सबसे अलग और आकर्षक है। इस गांव की खासियत ये है कि यहां एक भी सड़क नहीं है। ना यहां कार चलती है और ना ही बाइक दिखाई देती है। लोग घरों की छतों पर चलकर एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं। यही छतें उनके लिए सड़क, बाजार और सामाजिक केंद्र का काम करती हैं।

मसुलेह गांव ईरान के उत्तर में शोमाल क्षेत्र के गिलान प्रांत में स्थित है। यह गांव पहाड़ी ढलान पर बना हुआ है। घर एक-दूसरे के ऊपर इस तरह बने हैं कि नीचे वाले घर की छत, ऊपर वाले घर के लिए आंगन या रास्ता बन जाती है। इस अनोखी वास्तुकला की वजह से गांव को छतों का गांव भी कहा जाता है। पर्यटकों के लिए यह जगह स्वर्ग जैसी है। घने जंगल, ऊंचे पहाड़, कोहरा और पुरानी इमारतें मिलकर यहां का माहौल जादुई बना देते हैं। लोग यहां की छतों पर घूमते हैं, लोकल हैंडीक्राफ्ट की दुकानों पर सामान खरीदते हैं और पारंपरिक ईरानी चाय का मजा लेते हैं। दुकानें, कैफे और छोटे-छोटे रेस्टोरेंट भी छतों पर ही चलते हैं।

मसुलेह की स्थापना सदियों पुरानी मानी जाती है। यहां के लोग सदियों से इसी ढंग से रह रहे हैं। घर पत्थर और मिट्टी से बने हैं जो ठंड और बारिश दोनों से सुरक्षा देते हैं। गांव पूरी तरह पैदल यातायात पर आधारित है। कोई वाहन नहीं घुस पाता क्योंकि यहां रास्ते ही नहीं हैं। पर्यटक बताते हैं कि यहां घूमना बिल्कुल फेयरीटेल जैसा लगता है। सुबह कोहरा छा जाता है तो ऐसा लगता है जैसे बादलों में चल रहे हों। शाम को सूरज ढलते समय पूरे गांव पर सुनहरा रंग छा जाता है। फोटोग्राफर्स के लिए यह जगह स्वर्ग है। ईरान सरकार ने मसुलेह को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया है। यहां पर्यटन बढ़ाने के लिए सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। फिर भी गांव अपनी मूल संरचना को बरकरार रखे हुए है। स्थानीय लोग पर्यटकों का स्वागत करते हैं और उन्हें अपनी संस्कृति से रूबरू कराते हैं।

मसुलेह की सबसे खास बात यह है कि यहां का जीवन पूरी तरह प्रकृति के साथ सामंजस्य में है। यहां ना तो बड़े निर्माण हो रहे हैं और ना ही आधुनिक सड़कों का जाल बिछाया गया है। लोग अभी भी पारंपरिक तरीके से रहते हैं। महिलाएं लोकल क्राफ्ट बनाती हैं, पुरुष कृषि और पर्यटन से जुड़े काम करते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों से लोग खासतौर पर मसुलेह घूमने आते हैं। कछ इसे छतों का गांव तो कुछ बादलों का गांव कहते हैं।

सोशल मीडिया पर इसके वीडियो और फोटो वायरल होने के बाद पर्यटकों की संख्या और बढ़ गई है। भारतीय पर्यटकों के लिए भी मसुलेह एक अनोखा अनुभव है। यहां की शांति, प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी वास्तुकला देखकर कोई भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता है। कई लोग कहते हैं कि आधुनिक दुनिया में इतनी शांति और अनोखापन बहुत कम जगहों पर बचा है।

आप सरकार से जनता का मोह हुआ भंग

» कांग्रेस पार्टी चुनावी मोड में आई, बोली- हमारी किसी से नहीं है लड़ाई

» भाजपा और शिअद का कोई वजूद नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बघेल ने की पंजाब कांग्रेस के सीनियर नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा

चंडीगढ़। पंजाब में आगामी 2027 विधानसभा चुनावों को लेकर सभी पार्टियों ने कमर कसना शुरू कर दिया है। जहां सत्ता में बैठी आप ने फिर वापसी के लिए जुगत लगाना शुरू कर दिया है वहीं भाजपा व शिअद ने तीर-तरकस दुरुस्त करने शुरू कर दिए हैं। इसबीच आपसी मनमुटाव के बीच कांग्रेस ने अपनी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। उधर कांग्रेस व आप में वार पलटवार भी जारी है। जहां कांग्रेस कह रही है आप की सरकार अबकी बार नहीं आएगी वहीं आप कह रहा है कांग्रेस में सब तो सीएम बनना चाहते हैं। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल ने आप सरकार पर वादे पूरे न करने और बिगड़ती कानून-व्यवस्था का आरोप लगाते हुए कांग्रेस को एकमात्र विश्वसनीय विकल्प बताया।

यह राजनीतिक विश्लेषण दर्शाता है कि कांग्रेस राज्य में अपना खोया जनाधार वापस पाने के लिए ज़िला स्तर पर संगठन को सक्रिय कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) से जनता का मोहभंग हो रहा है। पूरे पंजाब से आए ज़िला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए बघेल ने कहा कि पार्टी चुनावी मोड में आ गई है और आने वाली राजनीतिक लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग विकल्प के तौर पर कांग्रेस की ओर देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार अपने वादे पूरे करने में नाकाम रही है और उसने राज्य को आर्थिक संकट और बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति में धकेल दिया है। अध्यक्षों को जनता के साथ पार्टी की अहम कड़ी बताते हुए बघेल ने उन्हें भरोसा दिलाया कि ज़िला स्तर पर संगठन को मज़बूत करने के लिए उन्हें ज़्यादा ज़िम्मेदारी और अधिकार दिए जाएंगे।

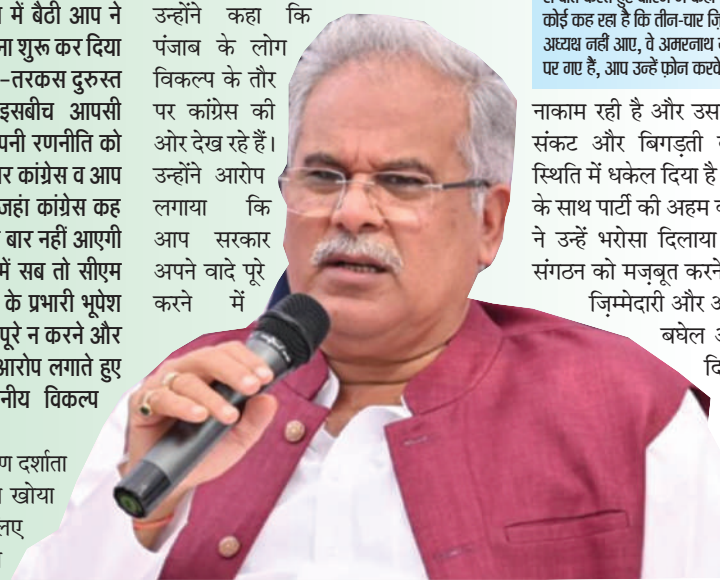

बघेल अभी पंजाब के पांच दिन के दौरे पर हैं। इस दौरान, कांग्रेस संगठन को मज़बूत करने की कोशिश के तहत वे सीनियर नेताओं, पदाधिकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे। दिन के दौरान, बघेल उन कार्यक्रमों में भी शामिल हुए जिनमें सुखविंदर सिंह डैनी और राज कुमार वेरका ने पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर औपचारिक रूप से पद संभाला। उन्होंने शुभम देवगन को नया पंजाब यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने के कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी समेत राज्य की अन्य विपक्षी पार्टियां अब वहां की राजनीति में कोई खास दावेदार नहीं रह गई हैं। बघेल ने कहा कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के मकसद और मिशन में पूरी एकता है, और वह मिशन 2027 के विधानसभा चुनावों में पंजाब में कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाना है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। इससे पहले, बघेल ने पंजाब कांग्रेस के सीनियर नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा के लिए बैठक की।

वडिंग ने पार्टी में मतभेद की बातों को किया खारिज

पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर राजा वडिंग ने पार्टी में मतभेद की बातों को खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने माना कि कुछ नेता पहले से तय कामों की वजह से पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल नहीं हो पाए थे। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए वारिंग ने कहा कि कोई कह रहा है कि तीन-चार ज़िला अध्यक्ष नहीं आए, वे अमरनाथ यात्रा पर गए हैं, आप उन्हें फ़ोन करके पूछ सकते हैं। जिस तरह से यह बैठक हुई है, उसमें कम से कम एक-दो लोग तो शामिल नहीं हो पाए होंगे। लोग मसालेदार खबरें चाहते हैं, लेकिन मैं ऐसी कोई बात नहीं बता सकता क्योंकि कहने के लिए कुछ है ही नहीं। उन्होंने आगे कहा कि सभी नेता एकजुटता दिखाते हुए एक साथ मीडिया को संबोधित करेंगे, पंजाब कांग्रेस के सभी नेता एक ही मंच पर मौजूद होंगे।

पंजाब में विस चुनाव से पहले सियासी दांव

कांग्रेस में कोई अनुशासन नहीं, हर कोई सीएम बनना चाहता है : चीमा

आम आदमी पार्टी के नेता और पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और पार्टी की पंजाब इकाई में अंदरूनी कलह के बीच अनुशासन की कमी का आरोप लगाया। चीमा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कोई अनुशासन नहीं है। कांग्रेस में हर कोई सीएम बनना चाहता है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगाया कि वे पार्टी संगठन को मज़बूत करने के बजाय मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को ज़्यादा अहमियत देते हैं। चीमा ने आने वाले राज्य चुनावों में आप के प्रदर्शन पर भरोसा जताते हुए कहा कि 27 में आम आदमी पार्टी पंजाब में बड़ी जीत हासिल करेगी।

अतिक्रमण में आखिर क्या है आकर्षण!

» नगर निगम हटाता है, पुलिस देखती है और फिर लौट आता है अतिक्रमण

» 20-20 अभियान हर महीने, फिर भी राजधानी की सड़कें कब्जे में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। हर महीने सभी आठों जोनों में कई बार अभियान चलाया जाता है, लेकिन कुछ घंटों बाद ही सड़कें फिर अतिक्रमणकारियों के कब्जे में दिखाई देती हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर कार्रवाई के बाद व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है? ताजा कार्रवाई में जोन-4 की टीम ने गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में अभियान चलाकर झुग्गी-झोपड़ियां, ठेले-ठेलियां, सड़क किनारे किए गए अस्थायी कब्जे हटाए।

अभियान के दौरान मुर्गों की जालियां भी जब्त की गईं। गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल पर कार्रवाई करते हुए 17,600 रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। नगर निगम ने इसे सफल अभियान बताया, लेकिन सवाल यह है कि क्या अगले दिन भी यही स्थिति बनी रहेगी ?वहीं जोन-3 में हनुमान सेतु से आठ नंबर चौराहा, भांडों मोहल्ला, मेवाती मोहल्ला, इरादतनगर और डालीगंज के आसपास अभियान चलाकर करीब 50 दुकानों से अतिक्रमण हटवाया गया। कार्रवाई के दौरान दो ट्रैक्टर सामान और दो चटाइयां जब्त की गईं। लेकिन हर बार की तरह इस कार्रवाई पर भी वही सवाल खड़ा हो गया कि क्या अगले ही दिन सड़कें फिर अतिक्रमण से नहीं भर जाएंगी ?

जनता जाम से जूझने को मजबूर

नगर निगम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाता है। इसके बाद संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस की जिम्मेदारी होती है कि दोबारा सड़क और फुटपाथ पर कब्जा न होने पाए। लेकिन हकीकत यह है कि शाम ढलते ही दुकानें फिर सज जाती हैं और जनता जाम से जूझने को मजबूर हो जाती है। फायर स्टेशन के सामने कार सजावट बाजार, दैनिक जागरण चौराहा, लाटूश रोड, कैसरबाग, क्वीन मेरी अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर और लारी अस्पताल जैसे कई स्थानों पर नगर निगम बार-बार कार्रवाई करता है। इसके बावजूद अतिक्रमण फिर लौट आता है।

मुंबई से सूरत तक बारिश की मार, अमित शाह ने दिया मदद का आश्वासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र। देशभर में मानसून ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक तक कई राज्यों में बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है।

सबसे ज्यादा असर मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में देखने को मिला, जहां भारी बारिश के कारण रेल सेवाएं प्रभावित हो गईं, कई इलाकों में जलभराव हो गया और हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इन हालातों को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली। केंद्र सरकार ने बारिश से प्रभावित राज्यों में मदद का आश्वासन दिया।

सीएम विजय को राहत, हाईकोर्ट की डीएमके को फटकार

» अदालत ने कहा- कोर्ट राजनीतिक मंच नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और टीवीके के अन्य नेताओं को सितंबर 25 की करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों से बातचीत करने या सार्वजनिक बयान देने से रोकने की मांग की गई थी। जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक मंच नहीं बनाया जाना चाहिए। बेंच ने याचिका के आधार पर ही सवाल उठाते हुए कहा कि कोर्ट ने खुद इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। बेंच ने पूछा, सुप्रीम कोर्ट, जिसने खुद इस मामले मेंसीबीआई जांच के आदेश दिए हैं, वह किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की याचिका को कैसे स्वीकार कर सकता है?

अपनी याचिका में पूर्व सत्ताधारी पार्टी ने डीएमके मंत्री आधव अर्जुन की कथित टिप्पणियों पर कार्रवाई की मांग की। पार्टी का दावा है कि इन टिप्पणियों से गवाह प्रभावित हो सकते हैं और करूर भगदड़ मामले की सीबीआई जांच में बाधा आ सकती है, इस भगदड़ में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान 41 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें अदालत से यह भी आग्रह किया गया कि विजय को 10 जुलाई को करूर की प्रस्तावित यात्रा के दौरान पीड़ितों के परिवारों से बातचीत करने से रोका जाए, जहां उन्हें अनुकंपा नियुक्तियों और वित्तीय सहायता सहित सरकारी लाभ वितरित करने हैं। अदालत के अक्टूबर 025 के निर्देशों के अनुसार, सीबीआई जांच की निगरानी पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति कर रही है।

पहली बार 100+ रनों के अंतर से हारी टीम इंडिया

» अपने दूसरे न्यूनतम स्कोर 76 रन पर ऑलआउट हुई टीम, इंग्लैंड ने बनाई बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नॉटिंघम। इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टी20 मुकाबले में 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। भारत की इस प्रारूप में रनों के लिहाज से ये सबसे बड़ी हार है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 201 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 11.4 ओवर में 76 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम के सिर्फ चार बल्लेबाज दहाई अंक तक पहुंच सके, लेकिन कोई भी 13 रन से ज्यादा नहीं बना पाया।

भारत को पहली बार टी20 में 100+ रनों के अंतर से हार मिली है। इससे पहले टीम को इस प्रारूप में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली थी। 2019 में वेलिंगटन में खेले गए मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 80 रनों के अंतर से हराया था। इतना ही नहीं, दक्षिण अफ्रीका ने 2026 में टीम इंडिया को 76 रनों से हराया था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत अब तक एक भी मैच नहीं जीत सका है। पहले उसे आयरलैंड ने 0-2 से हराया और अब इंग्लैंड ने सीरीज में बढ़त बना ली है। इस सीरीज के दो मैच शेष हैं यानी भारत अब यहां से सीरीज अपने नाम नहीं कर सकता। ऐसे में अब उसकी कोशिश बराबरी करने की होगी। भारत के लिए ब्रिटेन दौरा बेहद निराशाजनक रहा है। टीम पहली बार टी20 में लगातार पांच मैचों से जीत नहीं दर्ज कर सकी है। टीम को चार हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। श्रेयस की कप्तानी में भारत लगातार चार मैच हार चुका है। वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा ने आक्रामक शुरुआत दिलाने की कोशिश की, लेकिन जैसे ही पहला झटका लगा, भारत की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढेर होती चली गई। भारत के लिए इस मैच में सबसे ज्यादा रन वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन ने बनाए। वहीं, सात बल्लेबाज सिंगल डिजिट स्कोर ही बना सके।

जिम्बाब्वे दौरे व एशियाई खेलों के लिए लक्ष्मण रहेंगे मुख्य कोच

नई दिल्ली। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण आगामी जिम्बाब्वे दौरे और आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। उनके साथ बल्लेबाजी कोच के रूप में ऋषिकेश कानितकर और गेंदबाजी कोच के रूप में सुनील जोशी सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होंगे। भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। यह मैच 23, 25 और 27 जुलाई को हरारे में खेले जाएंगे। लक्ष्मण और उनका सहयोगी स्टाफ एशियाई खेलों में भी भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभालेगा। दरअसल, एशियाई खेलों का आयोजन ठीक उसी समय हो रहा है जब भारतीय टीम को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली इस वनडे सीरीज में मुख्य कोच गौतम गंभीर सीनियर टीम के साथ मौजूद रहेंगे।

सीएम योगी के आदेश को केडीए अफसरों ने रखा ताक पर!

लखनऊ अग्निकांड के बाद भी संकरी गलियों में बन रहीं मौत की इमारतें

» चमनगंज, बेकनगंज, इफ्तिखाराबाद, नई सड़क और प्रेमनगर जैसी घनी आबादी में मनमानी

प्रांजुल मिश्रा/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। राजधानी लखनऊ के अग्निकांड के बाद प्रदेश सरकार ने अवैध और मानकविहीन निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद कानपुर में हालात बदलते नजर नहीं आ रहे हैं। शहर के चमनगंज, बेकनगंज, इफ्तिखाराबाद, नई सड़क और प्रेमनगर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में बिना स्वीकृत नक्शे और मानकों के बहुमंजिला इमारतों का निर्माण लगातार जारी है। केडीए के जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत के चलते ऐसे निर्माण धड़ल्ले से हो रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन इलाकों में आग लगने या किसी अन्य आपदा की स्थिति में दमकल वाहनों का पहुंचना भी मुश्किल है, वहां बहुमंजिला भवनों के निर्माण पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लगाई जा रही?

सीलिंग कार्रवाई पर भी खड़े हो रहे सवाल

जो निर्माण अब तक सील हो जाने चाहिए थे, वे आज भी निर्माणाधीन हैं। आपके अपने अख़बार 4पीएम में प्रकाशित हुई खबरों में हमने बताया था कई शॉपिंग कॉम्प्लेक्स नक्शे के विपरीत बनें हुए हैं जिनका नक्शा पूरी तरह से कमर्शियल तक नहीं है न ही उनसभी ने अबतक अपने निर्माण को कमर्शियल करवाया है इसके बावजूद जिम्मेदार प्रवर्तन प्रभारी अधिकारी अतुल राय, जेई संतोष गोंड, जेई अर्पण सिंह और सुपरवाइजर पूंजीपतियों के आगे पूरी तरह से नतमस्तक हो चुके हैं मुख्यमंत्री के स्पष्ट आदेशों के बाद रसूखदार शॉपिंग कॉम्प्लेसों के खिलाफ सीलिंग की कार्यवाही करने में उनके हाथ कांप रहे हैं पूरा प्रवर्तन दस्ता इतनी हिम्मत नहीं जुटा पा रहा कि नोटिस के बाद आगे कोई प्रभावी कार्यवाही कर सके मजाल है कोई कार्यवाही हो जाए क्योंकि विभागीय सूत्रों की मानें तो नक्शे के विपरीत बनें शॉपिंग कॉम्प्लेकसो को सील न करने के एवज में जिम्मेदारों ने लाखों करोड़ों के वारे न्यारे कर अपनी जेबें जो भर लीं हैं और हो भी क्यों न जहां से सेटिंग हो जाती है वहां कार्यवाही करने में हांथ कांपना लाजमी हैं।

जिम्मेदारों की जवाबदेही पर भी शंका

क्षेत्रीय जेई संतोष गोंड का कहना है कि मौके पर सुपरवाइजर मिश्रा जी निरीक्षण के लिए जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि अधीनस्थ कर्मचारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है तो अवैध निर्माणों पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित हैं?

हमराज कॉम्प्लेक्स और प्रेमनगर हादसा अब भी सबक नहीं बना

5 मई 25 को चमनगंज के प्रेमनगर क्षेत्र स्थित पांच मंजिला भवन में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में कारोबारी मोहम्मद दानिश, उनकी पत्नी नाजली सबा तथा उनकी बेटियां सबा, सारा, सिमरा और इनाया की दर्दनाक मौत हो गई थी। आग रात करीब 8.25 बजे लगी थी और उसे बुझाने में दमकल विभाग को लगभग 9 घंटे 10 मिनट तक मशक्कत करनी पड़ी थी। इसके बावजूद शहर में अवैध बहुमंजिला निर्माणों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग सका। इसके पहले वर्ष 23 में हमराज शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग को बुझाने में चार दिन लग गए थे और करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ था। इन घटनाओं के बावजूद सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीरता दिखाई नहीं दे रही है।

अधिकारियों का दावा और जमीनी हकीकत में अंतर

केडीए सचिव अभय कुमार पाण्डेय ने पूर्व में कहा था कि उपाध्यक्ष अंकुर कौशिक के निर्देश पर मानकविहीन निर्माणों के विरुद्ध सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। लेकिन जिन क्षेत्रों में लगातार अवैध निर्माण हो रहे हैं, धड़ल्ले से एक्स्ट्रा प्लोर बनाए जा रहे हैं, बिना नक्शा पास हुए नक्शे के विपरीत बिल्डिंगे बनकर तैयार हो जा रहीं हैं कई बेसमेंट में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही है सकरी गलियों में बहु मंजिला इमारतें बन रही है लेकिन कार्रवाई जीरो/सन्नाटा है। जबकि मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बावजूद अवैध बहुमंजिला निर्माण क्यों नहीं रुक रहे? संकरी गलियों में बिना सुरक्षा मानकों के निर्माण की अनुमति कैसे मिल रही है? नोटिस जारी होने के बाद भी कई मामलों में सीलिंग कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या सभी निर्माणकर्ताओं के खिलाफ समान रूप से कार्रवाई की जा रही है, या चयनात्मक कार्रवाई हो रही है? यदि इन सवालों का समय रहते जवाब और प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में किसी बड़े हादसे की स्थिति में इसकी जिम्मेदारी तय करना भी उतना ही आवश्यक होगा।

जहां कार्रवाई आसान, वहां दिखती है सख्ती?

स्थानीय लोगों के बीच यह भी चर्चा है कि कुछ मामलों में त्वरित कार्रवाई हुई, जबकि अन्य मामलों में लंबे समय तक नोटिस के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसी असमानता को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या कार्रवाई के मापदण्ड सभी के लिए समान हैं?

कांग्रेस का एकबार फिर भाजपा व मोदी पर वार

» वीबीरामजी असल में रोजगार के अधिकार की चोरी : जयराम रमेश

» इंडानेशिया के दौरे पर भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एकबार फिर भाजपा व पीएम मोदी पर वार किया है। जहां कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट की आलोचना करते हुए इसे रोज़गार अधिकार की चोरी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसने मनरेगा की जगह एक ऐसी अत्यधिक केंद्रीकृत योजना ले ली है, जिससे राज्य सरकारों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ता है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व वित्त मंत्री हसीब द्राबू का एक लेख शेयर करते हुए रमेश ने कहा कि इस नए कानून ने उस योजना की जगह ले ली है, जो ग्रामीण परिवारों को काम का कानूनी अधिकार देती थी।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा शुरू किए गए दो दशक पुराने मनरेगा की जगह, 1 जुलाई को पूरे देश में वीबीरामजी अधिनियम लागू हो गया। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि भारत के बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक और पूर्व वित्त मंत्री हसीब द्राबू ने की सच्चाई को उजागर करते हुए एक बहुत ही तीखा लेख लिखा है। इस नए कानून को क्रांतिकारी वीबीरामजी की जगह जबरदस्ती लागू किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि वीबीरामजी असल में रोजगार के अधिकार की चोरी है। यह काम करने के संवैधानिक अधिकार की जगह एक ऐसी बहुत ज़्यादा सेंट्रलाइज़्ड स्कीम ले आती है, जिससे राज्य सरकारों पर बहुत ज़्यादा वित्तीय बोझ पड़ता है। रमेश ने यह भी दावा किया कि नया कानून टेक्नोलॉजी को इसलिए लाता है ताकि लोगों को सुविधा न मिले, बल्कि उन्हें बाहर रखा जा सके।

ये आदमी नेहरू बनना चाहते हैं : श्रीनेत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय तीन देशों के दौरे पर है, इस यात्रा के पहले चरण में वो सबसे पहले इंडोनेशिया पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जकार्ता में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए भारत और इंडोनेशिया के बीच गहरी दोस्ती का जिक्र किया। पीएम मोदी ने अपनी बात रखते हुए नंबर गणित का जिक्र किया। उन्होंने 8 नंबर का कनेक्शन इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के जन्म दिन और भारत के गणतंत्र दिवस से जोड़ा। जैसे ही पीएम मोदी ने ये बात कही वहां मौजूद सभी लोग मुस्कुरा उठे। हालांकि, पीएम मोदी के इस नंबर गणित पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सवाल उठा दिए। उन्होंने आईक्यू वाली टिप्पणी करते हुए पीएम मोदी को लेकर कहा कि फिर भी ये आदमी नेहरू बनना चाहते हैं। सुप्रिया श्रीनेत ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का जिक्र किया। उन्होंने दो टूक कहा कि जिस तरह से पीएम मोदी ने 8 नंबर का जिक्र किया, इसे गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के जन्मतिथि (17) से जोड़ा, इस आइक्यू पर वार किया। सुप्रिया श्रीनेत ने लिखा- इतने आईक्यू के साथ, ये आदमी नेहरू बनना चाहते हैं!

सपा के पूर्व विधायक के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झांसी में गरौठा से समाजवादी पार्टी से विधायक रहे दीप नारायण सिंह यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आने के बाद बुधवार को ईडी ने शिकंजा कस दिया। पूर्व विधायक और उनके सहयोगियों के घर व अन्य ठिकानों पर ईडी की आधा दर्जन टीमों ने छापा मारा। झांसी और लखनऊ में एकसाथ पड़ताल की।

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के साथ ही आय से अधिक संपत्ति और अन्य मामलों में दबंग विधायक रहे दीप नारायण सिंह यादव के खिलाफ शिकंजा कसा गया है। इनके खिलाफ गैंग्स्टर एक्ट के तहत भी पहले कार्रवाई की गई है। अधिकांश मामले अवैध खनन के भी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने बुधवार सुबह 6.30 बजे पूर्व विधायक के कई ठिकानों पर छापामारी की। ईडी के अधिकारियों ने भगवंत पुरा में मून सिटी के साथ पूर्व विधायक के पैतृक गांव बुढ़वली के साथ कई और ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। पूर्व विधायक के पीए अशोक गोस्वामी के घर भी ईडी ने छापा मारा। इस दौरान मून सिटी के बाहर पैरा मिलिट्रि फोर्स और पीएसी तैनात रही। मोठ में पूर्व चेयरमैन अनिरुद्ध यादव उर्फ बड़े राजा के घर भी छापे मारे गये हैं। ईडी के प्रयागराज जोनल कार्यालय ने बुधवार सुबह धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव के झांसी और लखनऊ में कई ठिकानों पर छापेमारी की।

» झांसी और लखनऊ में मनी लॉन्ड्रिंग का मामलें में कार्यवाही

कोलकाता से दबोचा गया इंटरनेशनल साइबर ठगी का मास्टरमाइंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ से संचालित इंटरनेशनल साइबर ठगी के नेटवर्क पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। 119 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस ने इस पूरे रैकेट के मास्टरमाइंड और 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी विनीत वशिष्ट को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया है।

उसके साथ नायकर जयराज और रिंकी दास गुप्ता भी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। जांच में सामने आया है कि यह कोई साधारण कॉल सेंटर नहीं, बल्कि विदेशों में बैठे लोगों को निशाना बनाकर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाला संगठित गिरोह था। इंटरनेट कॉलिंग प्लेटफॉर्म के जरिए अमेरिका के नागरिकों को फंसाया जाता था और ठगी की रकम हवाला नेटवर्क के जरिए देश-विदेश में पहुंचाई जाती थी।

छोटी मछली पकड़ाई लेकिन मगरमच्छ नहीं : दिग्विजय

» राम मंदिर चंदा चोरी पर कांग्रेस नेता बोले- आखिरी सांस तक लड़ूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राम मंदिर चंदा घोटाले के मामले पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में सनातन धर्म में भगवान राम का बहुत महत्व है, वे हमारे लिए आदर्श हैं। मैं भगवान राम का भक्त हूं, मेरा परिवार लंबे समय से भगवान राघवजी के राघोगढ़ मंदिर से जुड़ा रहा है। हमने शिला पूजन के लिए आयोजित रथ यात्रा में भी योगदान दिया था। हालांकि मैं कांग्रेस का सदस्य हूं, लेकिन मैं राम जी का भक्त हूं।

हमें खुशी है कि गोरखनाथ मठ के प्रमुख—जिन्होंने निर्मोही अखाड़े के साथ मिलकर एक सदी से भी ज़्यादा समय तक राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई लड़ी-अब वहां के मुख्यमंत्री हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए कौन ज़िम्मेदार था? नृपेंद्र मिश्र जी। और नृपेंद्र मिश्र जी कौन हैं? वे प्रधानमंत्री के सबसे भरोसेमंद प्रधान सचिव थे। उन्होंने खुद भारी लूट और डकैती की बात कही है। एसआईटी में भी ऐसा लग रहा छोटी मछली पकड़ी गई है जबकि मगरमच्छों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा